चला मैं तो खाटू धाम चला | By Ram Kumar Lakkha

चला मैं तो खाटू धाम चला
चला मैं सांवरिया के गाम चला
दिल मिलने को बेकरार, करे सांवरिया मेरा इंतज़ार
भूल के सब दुनियादारी छोड़ के सब काम चला
चला मैं तो खाटू धाम चला
चला मैं सांवरिया के गाम चला

जब जब बाबा को दिल से याद किया
श्याम मेरे सामने खड़ा था
खाटू धणी ने अटकने ना दिया
काम छोटा था भले बड़ा था
शुक्रिया अदा करने, करने को सलाम चला
चला मैं तो खाटू धाम चला
चला मैं सांवरिया के गाम चला

लखदातार की कृपा से हर घडी जीवन में मौज है
सांवरिया सेठ दोनों हाथों बाँट रहा खुशिया रोज़ रोज़ है
श्याम जैसा कोई नहीं, कहता सरेआम चला
चला मैं तो खाटू धाम चला
चला मैं सांवरिया के गाम चला

आया जो कन्हैया की शरण में
दुनिया के जंजालो से छूटा
जुड़ गया जो बाबा के चरणों से
दुविधाओं से नाता टूटा
होंठों पे उसके तो सदा श्याम नाम चला
चला मैं तो खाटू धाम चला
चला मैं सांवरिया के गाम चला

मिला है कुमार राम तुझको मौका तो फायदा उठा ले
सबको छोड़ सांवरे का हो जा सांवरे को अपना बना ले
जीवन में सरल फिर तो आएगा आराम चला
चला मैं तो खाटू धाम चला
चला मैं सांवरिया के गाम चला

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%8b-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-ram-kumar-lakkha/